खतरनाक गंगा घाटों को चिह्नित करेगा प्रशासन

छठ के पहले चमकेंगे घाट

प्रतिनिधि ■ पटना सिटी

जीवनदायिनी नदियों में शामिल गंगा खतरनाक हो चुकी है. मिट्टी कटाव के कारण गंगा घाटों पर व पानी के अंदर बड़े-बड़े गड्ढे बन गये हैं. वहीं कई घटों पर जानलेवा दलदल भी है. ऐसे खतरनाक घाटों को अनुमंडल प्रशासन चिह्नित करेगा. छठ से लेकर कार्तिक पूर्णिमा स्नान तक गंगा घाटों को श्रद्धालुओं के अनुकूल बनाने की योजना है.

48 घंटे में देंगे रिपोर्ट

अनुमंडल पदाधिकारी रमण कुमार सिन्हा ने बताया कि 52 घाटों में किसकी स्थिति कितनी खराब है और वहां कैसी व्यवस्था हो, इसके लिए चार दंडाधिकारियों को प्रतिनियुक्त की गयी है. इनमें नियंत्रण कक्ष प्रभारी शैलेंद्र कुमार सिंह को बालू घाट से कॉलोनी घाट तक, दिनेश्वर लाल कर्ण को सीढ़ी घाट से मिरचाई घाट तक, कृष्णानंदन रविदास हीरानंद को शाह घाट से दमराही घाट तक और फुलेंद्र आचार्य को शरीफागंज घाट से नया मंदिर घाट तक की जिम्मेवारी दी गयी है. ये अधिकारी गंगा घाटों का निरीक्षण कर 48 घंटे में अपनी रिपोर्ट सौंपेंगे. इसी रिपोर्ट के आधार पर खतरनाक घाटों को चिह्नित किया जायेगा.

गंगा घाट पर गंदगी का अंबार

निगम ने निकाला टेंडर

पटना नगर निगम, सिटी अंचल की ओर से अनुमंडल के 48 गंगा घाटों के लिए संविदा निकाली गयी है. संविदा जमा करने की अंतिम तिथि नौ नवंबर निर्धारित की गयी है. इसी तिथि को संविदा खोली भी जायेगी. अधिकारियों के अनुसार, गंगा घाटों पर बांस की चाली बनाने, बालू बिछाने, सीढ़ी बनाने आदि कार्य किये जायेंगे. गंगा घाटों की सफाई कराने की भी योजना है.

सफाई में जुटा निगम प्रशासन

पटना ■ छठ पूजा को लेकर गंगा घाटों की साफ-सफाई, लाइटिंग व घाटों की बैरिकेडिंग आदि काम को पूरा करने में निगम प्रशासन जुट गया है. इसको लेकर टेंडर भी जारी कर दिया है, लेकिन ठेकेदार टेंडर नहीं ले रहे थे. कारण पिछले वर्ष ठेकेदारों को छठ पूजा के दौरान किये गये कार्यों की राशि का भुगतान नहीं होना था. हालांकि मंगलवार से ठेकेदारों की बकाया राशि दी गयी, तो वे टेंडर लेने को तैयार हो रहे हैं. निगम क्षेत्र में 60 से अधिक घाट हैं, जो पहलवान घाट से लेकर पटना सिटी के अंतिम छोड़ तक हैं. इसको लेकर निगम प्रशासन ने नूतन राजधानी अंचल, बांकीपुर अंचल और पटना सिटी अंचल के बीच घाटों को बांट दिया है. नगर आयुक्त पंकज कुमार पाल ने बताया कि घाटों की साफ - सफाई का काम शुरू कर दिया गया है. दर्जनभर से अधिक घाटों पर रोजाना सफाई का कार्य चल रहा है.हालांकि अभियान के तौर पर घाटों की सफाई दीपावली के बाद शुरू की जायेगी.